पारि–पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र प्रयागराज
FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION, PRAYAGRAJ

MEETING FOR DPR PREPARATION FOR YAMUNA REJUVENATION AT JHANSI BY FRCER, PRAYAGRAJ

A meeting cum workshop organized for briefing the formats of information required from Uttar Pradesh Forest Department for the preparation of Detailed Project Report for Rejuvenation of Yamuna river through Forestry Interventions on 23rd October 2019 at Conservator of Forest Office, Jhansi. In workshop, forest officials and field level staff from Jhansi, Hamirpur and Orai/Jalaun Forest Divisions actively participated.

The meeting cum workshop was chaired and initiated by Mr. Ankesh Kumar Srivastav Divisional Forest Officer, Orai/ Jalaun Forest Division. He briefed regarding the stretch of Yamuna in Bundelkhand region and Tributary Betawa. Mr. D. N. Singh, Divisional Forest Officer, Hamirpur Forest Division, Dr. Sanjay Singh, Head, FRCER, Prayagraj and Dr. Kumud Dubey, Scientist and Nodal Officer for Uttar Pradesh for Yamuna DPR co-chaired the session.

In beginning of Workshop, Dr. Sanjay Singh, Head, FRCER, Prayagraj welcomed the participants and presented a brief overview about various aspects of the formats developed by FRI Dehradun for collection of necessary data for different forestry interventions required for preparation of DPR for Yamuna Rejuvenation.

Dr. Kumud Dubey, Scientist and Nodal Officer (UP) made a detailed presentation of the project and explained about the formats viz. Natural Landscapes, Agricultural Landscape, Urban Landscape, Soil Conservation, Wetland Managements, River Front Development and Other Extension Strategies.

The technical session was followed by interactive session with active participation of forest officials and field staff. The queries and doubts raised by the forest officials regarding the format filling clarified by the scientists from FRCER, Prayagraj.

The workshop was organized with the active cooperation of Mr. Pinaki P. Singh, Chief Conservator of Forest (Bundelkhand) and Mr. A. K. Singh, Conservator of Forest, Jhansi. They also assured to complete the field works within fixed time frame.

The workshop ended with vote of thanks by Dr. Kumud Dubey, Scientist, FRCER, Prayagraj.

Glimpses of Meeting cum Workshop

https://news27star.in/%E0%A4%A

NEWS 27 STAR

झांसी

प्रदूषण से मुक्त होगी बेतवा व यमुना रिपोर्टर राजेश कुमार

By news27star - October 25, 2019

प्रदूषण से मुक्त होगी बेतवा व यमुना रिपोर्टर राजेश कुमार

Translate » सहायक नदियों में प्रदूषण से मुक्त तथा पुनरुद्धार

प्रदूषण से मुक्त होगी बेतवा व यमुना रिपोर्टर राजेश कुमार

झाँसी यमुना एवं इसकी सहायक नदियों में प्रदूषण से मुक्त तथा पुनरुद्धार करने के लिए पर्यावरण वन जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा वितरित परियोजना रिपोर्ट डीपीआर तैयार की जा रही है यमुना नदी झांसी मंडल के जालौन जनपद से होकर निकलती है झांसी एवं ललितपुर जनपद के मुख्य रूप से बेतवा नदी एवं इसके सहायक नदी वह नाले हैं सबसे पहले विभाग द्वारा इसकी बात का बात की जानकारी की जाएगी यमुना एवं बेतवा नदी में कितने नदी नाले सीधे तौर पर मिलते हैं इसका पूरा खाका निर्धारित प्रारूपों पर तैयार किया जाएगा लालू के प्रदूषित पानी को किस तरह शोषित किया जाएगा इसके लिए बायोफिल्ट्रेशन रिवरफ्रेट डिपार्टमेंट डिपार्टमेंट के साथ नदी के किनारे इको टूरिज्म जॉन विकसित किया जाएगा नदी के आस-पास पौधे लगाए जाने की भी योजना है इस संबंध में बैठक हुई इसमें परियोजना पुन निर्वेशन बनाने संस्थान केंद्र प्रयागराज के वैज्ञानिक डॉ कुमुद दुबे वन संरक्षक बुंदेलखंड वृत्त डॉ संजय सिंह प्रभागीय वन अधिकारी अंकेश कुमार श्रीवास्तव उरई प्रभागीय निदेशक Translate » ीरिया आदि उपस्थित रहे

प्रदूषण से मुक्त होगी यमुना व बेतवा

- पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन विभाग ने तैयार की डीपीआर
- नदी के किनारों को ईको टूरिज़्म ज़ोन में विकसित किया जाएगा

झाँसी : यमुना एवं इसकी सहायक नदियों को प्रदूषण से मुक्त तथा पुनर्रुद्धार करने के लिए पर्यावरण, वन, जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा रही है।

यमुना नदी झाँसी मण्डल के जालौन जनपद से होकर निकलती है। झाँसी एवं ललितपुर जनपद में मुख्य रूप से बेतवा नदी एवं इसके सहायक नदी व नाले हैं। सबसे पहले विभाग द्वारा इस बात की जानकारी की जाएगी कि यमुना एवं बेतवा नदी में कितने नदी -नाले सीधे तौर पर मिले हैं। इसका पूरा खाका निर्धारित प्रारूपों पर तैयार किया जाएगा। नालों के प्रदूषित पानी को किस तरह शोषित किया जाएगा, इसके लिए बायोफिल्ट्रेशन रिवरफ़्रंट, डिवेलपमेण्ट के साथ नदी के किनारे ईको टूरिज़्म ज़ोन विकसित किया जाएगा। नदी के आसपास पौधे लगाये जाने की भी योजना है। इस सम्बन्ध में बैठक हुयी। इसमें परियोजना पुनर्निवेशन वन अनुसंधान केन्द्र प्रयागराज के वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दुबे, वन संरक्षक बुन्देलखण्ड वृत्त डॉ. संजय सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी अंकेश कुमार श्रीवास्तव उरई, प्रभागीय निदेशक डीएन सिंह आदि उपस्थित रहे।

****